रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

मिनिट टू मिनिट दीक्षांत कार्यक्रम की हुई रिहर्सल, आज होगी फुल ड्रेस रिहर्सल
रादुविवि 32वें वर्चुअल दीक्षांत समारोह का आयोजन 6 फरवरी को

जबलपुर 04 फरवरी। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी में 6 फरवरी को आयोजित होने वाले 32वें दीक्षांत समारोह के लिए गुरूवार को रिहर्सल के दूसरे दिन पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन में सभी संकायाध्यक्षों ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र की उपस्थिती में दीक्षांत समारोह आयोजन समिति द्वारा सभी संकायाध्यक्षों कुलपति, कुलसचिव को दीक्षांत दायित्वों के पालन और क्रमशः उपाधियों व स्वर्णपदकों उद्घोषणा इत्यादि की रिहर्सिल करवाई।

दूसरे दिन रिहर्सल की जानकारी देते हुए कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र ने बताया कि कोरोना गाईडलाईन का पालन करते पं. कुजीलाल दुबे प्रेक्षागृह दीक्षांत भवन में आयोजित सारा कार्यक्रम मिनिट टू मिनिट चलेगा। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी उपाधिधारकों एवं स्वर्णपदक विजेताओं को आयोजन से पूर्व ऑनलाईन लिंक भेजी जाएगी, जिसके जरिए सभी उपाधिधारक एवं स्वर्णपदक विजेता वर्चुअल रूप से कार्यक्रम में जुड़ेंगे। दीक्षांत समारोह का यूट्यूब के माध्यम से सीधा प्रसारण होगा। विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में मुख्य कार्यक्रम के दौरान सिर्फ प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वान कोरोना गाईड लाईन, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मौजूद रहेंगे। दीक्षांत समारोह आयोजन समिति संयोजक प्रो. पी.के. सिंघल ने बताया कि दीक्षांत रिहर्सल में संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी, संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह, संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, संकायाध्यक्ष प्रो. रामशंकर, संकायाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने अपने–अपने संकाय के उपाधि धारकों के नामों की घोषणा की। फाइनल रिहर्सल 5 फरवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल के रूप में होगी जिसमें विवि के सभी संकायाध्यक्ष दीक्षांत परिधानों में मौजूद रहेंगे। दीक्षांत समारोह रिहर्सल में मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र, आयोजन मुख्य संयोजक प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. दिव्या बागची, प्रो. ममता राव, श्री अश्विन जायसवाल, डॉ. आर.के. गुप्ता आदि मौजूद रहे।

वर्तमान परिदृश्य में जरूरी है बदलते आयामों के अनुरूप युगानुकूल शैक्षिक संरचनाः कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र

– रादुविवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर 04 फरवरी। नई राष्ट्रीय शिक्षानीति–2020 के रूप में हमारे हाथों में एक ऐसा शास्त्र प्राप्त हुआ है जिसके आधार पर नए भारत की रखी जानी है। इसके लिए शिक्षकों को स्वयं तैयार होना होगा। बदलते आयामों के अनुरूप युगानुकूल शैक्षिक संरचना की आवश्यकता है जिसमें शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उपरोक्त प्रेरक उद्गार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गुरूवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक–शिक्षा में पाठ्यक्रम एवं प्रशासनः संभावनाएं एवं अवसर (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य) में विषय पर आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. ऋषि गोयल, संचालक, एससीईआरटी हरियाणा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। यह नीति भारत की परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरकरार रखते हए, 21वीं सदी की शिक्षा के शिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों, जिनमें एसडीजी शमिल हैं, के संयोजन में शिक्षा व्यवस्था, उसके नियमन और गवर्नेंस सहित, सभी पक्षों के सुधार और पुनर्गठन का प्रस्ताव रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष जोर देती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. शशिरंजन अकेला आरजीपीवी भोपाल ने कहा कि शैक्षिक प्रणाली का उद्देश्य अच्छे इंसान का विकास करना है जो तर्कसंगत विचार और कार्य करने में सक्षम हो, नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य ऐसे उत्पादक लोगों को तैयार करना है जो कि अपने संविधान द्वारा परिकल्पित–समावेशी और बहुलतावादी समाज के निर्माण में बेहतर तरीके से योगदान करना है। उद्घाटन कार्यक्रम में विद्याभारती संगठन मंत्री डॉ. आनंद राव ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों की जानकारी दी। मंच पर शिक्षाविद् डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, संगोष्ठी संयोजक प्रो. ए.के. गिल, रादुविवि बीएड विभाग प्रभारी डॉ. अलका नायक मंचासीन रहीं। संचालन एवं आभार प्रदर्शन सहसंयोजक डॉ. आशीष मिश्रा ने किया।

तकनीकी सत्रों के आयोजन –

रादुविवि एमबीए हॉल में आयोजित कार्यक्रम में दो तकनीकी सत्रों के आयोजित हुए प्रथम तकनीकी सत्र रादुविवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समन्वयक प्रो. राकेश बाजपेयी, विषय विशेषज्ञ डॉ. राजेश तिवारी, संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा, प्रतिवेदक डॉ. सुनील जैन की उपस्थिती में हुआ। संचालन डॉ. रानी वैध व आभार प्रदर्शन डॉ. अमृता देशमुख ने किया। सत्र संयोजक डॉ. अनुपमा ब्यौहार एवं डॉ. परीधि वर्मा रहीं। द्वितीय तकनीकी सत्र प्रो.ए.डी.एन बाजपेयी की अध्यक्षता, विषय विशेषज्ञ प्रो. संजय कुमार

अवस्थी, प्रतिवेदक डॉ. रैना तिवारी की मौजूदगी में हुआ। संचालन डॉ. परिधि वर्मा एवं आभार डॉ. दीप्ति जैन ने किया। सत्र संयोजन श्रीमती रेखा श्रीवास्तव एवं श्रीमती स्वाति शरण ने किया।

समापन कार्यक्रम – संगोष्ठी समापन सत्र की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, मुख्य वक्ता श्रीमती रेखा चूड़ासमा अखिल भारतीय संयोजक, बालिका शिक्षा विद्या भारती एवं विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, डॉ. शशिरंजन अकेला आरजीपीवी भोपाल की मौजूदगी में हुआ। संयोजक डॉ. ए.के. गिल की मौजूदगी में संचालन डॉ. आशीष मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अतुल दुबे ने किया।